अमृत कलश टाइम्स

http://amritkalashtimes.com

वर्ष : 18
अंक : 129

प्रयागराज शुक्रवार 24 जनवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

न्यूज

पराक्रम दिवस पर धनखड़ ने नेता जी को किया नमन

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पराक्रम दिवस पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस को भावपूर्ण नमन करते हुए कहा है कि उनकी निर्भीक देशभक्ति ने करोड़ों लोगों को प्रेरित किया है। उपराष्ट्रपति सचिवालय की ओर से गुरुवार को यहां जारी एक संदेश में श्री धनखड़ ने कहा कि भारत की स्वतंत्रता के प्रति समर्पण और आजाद हिंद फौज का गठन नेताजी के साहस और असाधारण विचारों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि नेताजी के भारत को विदेशी शासन से मुक्त कराने में महान योगदान और साहस तथा देशभक्ति ने असंख्य भारतीयों को प्रेरित किया है। नेताजी ने निस्वार्थ भाव से मातृभूमि की सेवा की।

बस्ती में घरेलू विवाद में की पत्नी की हत्या

बस्ती। उत्तर प्रदेश में बस्ती जिले के पैकोलिया क्षेत्र में गुरूवार को एक व्यक्ति ने घरेलू विवाद में अपनी पत्नी की गला दबा कर हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि क्षेत्र के कपूरपुर गांव निवासी रविशंकर का अपनी पत्नी संगीता द्ध25ऋ के साथ सुबह कुछ विवाद हुआ था जिसको लेकर दोनों के बीच मारपीट शुरू हो गयी। गुस्से में पति रविशंकर ने संगीता का गला दबा दिया जिससे उसकी मृत्यु हो गयी।

कुशीनगर में पकड़ा गया आदमखोर तेंदुआ

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में दहशत का पर्याय बना आदमखोर तेंदुआ वन विभाग के लगाये पिंजरे में बुधवार को कैद हो गया। वन विभाग के सूत्रों ने बताया कि रामकोला थाना क्षेत्र के ग्राम सभा पगार टांडी टोला के समीप झाड़ी के समीप सूअर के फंसाने के लिए लगे जाल में तेंदुआ फंस गया। जानकारी मिलने पर मौके पर ग्रामीणों का हूजुम उमड़ पड़ा। तेंदुए को देखने के लिए अगल.बगल के लोगों की भीड़ लग गई।

नीलगाय का वध करते तीन गिरफ्तार

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के सिकरारा क्षेत्र में बुधवार को पुलिस ने नीलगाय का वध करते तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आज दोपहर संतालपुर गांव के जंगल में पांच लोग नीलगाय का वध कर रहे थे। जंगल के बगल खेल रहे बच्चों ने यह देख कर ग्रामीणों को सूचना दी। पुलिस ने सूचना मिलते ही घटनास्थल पर दबिश दी और तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया जबकि दो अन्य फरार हो गये।

खरगे-राहुल-प्रियंका ने जयंती पर किया नेताजी को नमन

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने महान स्वतंत्रता सेनानी और आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। श्री खरगे ने कहा, " 'जय हिंद' एवं श्तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगाश जैसे ओजस्वी नारों के माध्यम से देशवासियों में देशप्रेम और क्रांति की लहर का संचार करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष एवं हमारे प्रेरणास्रोत, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती पर कोटि–कोटि नमन। मातृभूमि के प्रति उनका प्रेम, समर्पण व सांप्रदायिकता के खिलाफ उनका कड़ा विरोध, हम सभी को सदा राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करता है।" श्री गांधी ने अपने संदेश में कहा, "महान क्रांतिकारी, आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि। नेताजी का नेतृत्व, साहस, सामाजिक न्याय के लिए उनका संघर्ष, सहिष्णुता और समावेशिता के प्रति उनका योगदान आज भी हर भारतीय को प्रेरित करता है। भारत माता के अमर सपूत को मेरा सादर नमन, जय हिंद।" श्रीमती वाड्रा ने कहा, "भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के महानायक, आजाद हिंद फौज के संस्थापक और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती पर सादर नमन। महात्मा गांधी जी ने नेताजी को श्देशभक्तों का देशभक्तश कहा था।

कश्मीर में हिमपात के बाद पारा लुढ़का, फिर से बढ़ी ठंड

श्रीनगर,(एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर में पिछले 24 घंटों के दौरान हिमपात होने के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गयी, जिसके कारण कश्मीर घाटी में रात में सर्दी बढ़ गयी। मौसम विज्ञान केंद्र, श्रीनगर ने गुरुवार को बताया कि पूरे क्षेत्र में 28 जनवरी तक मौसम शुष्क रहने का अनुमान है और साथ ही, आज

तथा 29–31 जनवरी के बीच जम्मू–कश्मीर में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और बर्फबारी के आसार हैं। श्रीनगर में बुधवार देर रात दर्ज न्यूनतम तापमान में गिरावट देखी गई और यह शून्य से 2.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि पिछली रात यह 0.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 0.3 डिग्री सेल्सियस अधिक है। उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में गुलमर्ग स्की रिजॉर्ट रात के तापमान में मामूली सुधार के बावजूद सबसे ठंडा स्थान बना रहा। पिछली रात के शून्य से 8.5 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले यह शून्य से 7.5 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस अधिक है। पर्यटन स्थल पहलगाम में भी और गिरावट देखी गई और पिछली रात शून्य से 4.2 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले यह शून्य से 5.6 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा।

नेताजी सुभाष की 128वीं जयंती– पीएम ने श्रद्धांजलि दी

विकसित भारत के लिए एकजुट रहें

● नेताजी की जयंती पर प्रधानमंत्री मोदी ने आमजन से किया आह्वान,संसद के सेंट्रल हॉल में विशेष आयोजन, बच्चों से भी मिले पीएम मोदी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। मां भारती के सपूत नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आज 128वीं जयंती है, इस मौके पर कटक में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने आमजन से अपील की है। पीएम मोदी ने कहा कि श्विकसित भारतश के लिए एकजुट रहें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को लोगों से श्विकसित भारतश के लिए एकजुट रहने का आह्वान किया और देश को कमजोर करने और इसकी एकता को तोड़ने की कोशिश करने वाली ताकतों के खिलाफ चेतावनी दी। सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती के उपलक्ष्य में कटक में आयोजित श्पराक्रम दिवसश कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि प्रतिष्ठित स्वतंत्रता सेनानी का जीवन लोगों के लिए निरंतर प्रेरणा का स्रोत है। वे कभी भी आराम के दायरे में नहीं फंसे– पीएम अपने भाषण में पीएम मोदी ने कहा कि नेताजी ने आराम के दायरे से बाहर निकलकर देश की आजादी के लिए संघर्ष करना पसंद किया।

पीएम ने आगे कहा, श्वे कभी भी आराम के दायरे में नहीं फंसे।

कचरा हटा देना चाहिए: नितेश राणे

● सैफ पर हमले को लेकर बिगड़े नितेश राणे के बोल, सुशांत का जिक्र भी किया

मुंबई,(एजेंसी)। बीते दिन एक सभा को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने कहा, श्देखिए मुंबई में बांग्लादेशी क्या कर रहे हैं। वे सैफ अली खान के घर में घुस गए। पहले वे सड़कों के चौराहे पर खड़े रहते थे, अब वे घरों में घुसने लगे हैं।

शायद वे सैफ को ले जाने आए थे। यह अच्छा है, कचरा हटा देना चाहिए।श शिवसेना नेता संजय निरुपम के बाद महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर हुए हमले को लेकर गंभीर सवाल उठाए। भाजपा नेता ने मामले की सच्चाई को छिपाए जाने का आरोप लगाया और विपक्ष पर कुछ लोगों के लिए ही आवाज उठाने का आरोप लगाया। इससे पहले संजय निरुपम ने गंभीर हमले के बाद इतनी जल्दी सैफ की रिकवरी पर हैरानी जताई थी। गौरतलब है कि सैफ को बीते मंगलवार को अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद अपने घर लौट आए। श्कचरा हटा देना चाहिएश बीते दिन एक सभा को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने कहा, श्देखिए मुंबई में बांग्लादेशी क्या कर रहे हैं। वे सैफ अली खान के घर में घुस गए। पहले वे सड़कों के चौराहे पर खड़े रहते थे, अब वे घरों में घुसने लगे हैं। शायद वे सैफ को ले जाने आए थे। यह अच्छा है, कचरा हटा देना चाहिए।श शर्मैंने तो देखा, उस पर संदेह हुआश उन्होंने मामले की सत्यतता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब सैफ अस्पताल से बाहर आए, तो मैंने तो देखा, उस पर संदेह हुआ। मुझे शक हुआ कि उन्हें चाकू मारा गया था या वह एक्टिंग कर रहे थे। वह चलते–चलते हंस–मुस्कुरा रहे थे। वे नाच रहे थे। श्केवल सैफ, शाहरुख खान के बेटे और नवाब मलिक की चिंताश उन्होंने कहा कि जब भी शाहरुख खान या सैफ अली खान जैसे किसी खान को चोट लगती है, तो हर कोई इसके बारे में बात करना शुरू कर देता है। जब सुशांत सिंह राजपूत जैसे हिंदू अभिनेता को प्रताड़ित किया जाता है, तो कोई भी कुछ कहने के लिए आगे नहीं आता है।

मुंब्रा के जीतुद्दीन (जितेंद्र आव्हाड) और बारामती की ताई (सुप्रिया सुले) कुछ कहने के लिए आगे नहीं आईं। उन्हें केवल सैफ अली खान, शाहरुख खान के बेटे और नवाब मलिक की चिंता है।

सम्पादकीय

दोषी को सजा और समाज की जिम्मेदारी

प.बंगाल में आरजी कर अस्पताल में 8–9 अगस्त 2024 की रात ट्रेनी डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के दोषी संजय रॉय को सोमवार को सियालदह कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। इससे दो दिन पहले अदालत ने 18 जनवरी को संजय को दोषी ठहराया था। अदालत ने इस मामले को जघन्य तो माना, लेकिन दुर्लभतम यानी रेयरेस्ट ऑफ द रेयर नहीं माना, इसलिए दोषी को मृत्युदंड न देकर मरने तक उम्रकैद दी गई है। हालांकि प.बंगाल सरकार ने अब कलकत्ता हाईकोर्ट में उम्रकैद को सही नहीं मानते हुए दोषी को फांसी देने के लिए याचिका दायर की है, जो मंजूर तो कर ली गई है, लेकिन इस पर सुनवाई कब होगी, यह अभी तय नहीं है। वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा– मुझे पूरा विश्वास है कि यह रेयरेस्ट ऑफ रेयर मामला है, जिसके लिए मौत की सजा मिलनी चाहिए। कोर्ट यह कैसे कह सकता है कि यह दुर्लभतम मामला नहीं है? वहीं भाजपा ने भी इस मामले में उम्रकैद मिलने पर अपनी नाराजगी जताई और इसके लिए ममता सरकार को कटघरे में खड़ा किया। जबकि भाजपा यह जानती है कि मामले की पूरी जांच सीबीआई की निगरानी में हुई और उसके द्वारा पेश तथ्यों और सबूतों के आध ाार पर ही दोषी को सजा दी गई है। अगर भाजपा को आपत्ति दर्ज करनी ही है तो उसे फिर सीबीआई पर भी सवाल उठाने चाहिए। लेकिन ऐसा लगता है कि यहां न्याय से अधिक राजनीतिक लाभ लेने का खेल चल रहा है। वैसे पीड़िता के परिजन भी इस फैसले से निराश हैं और उन्होंने भी बड़ी अदालत में याचिका दायर करने का फैसला किया है। सियालदह अदालत ने दोषी को सजा के साथ–साथ पीड़िता के परिवार को मुआवजा देने का भी आदेश दिया है। अदालत ने डॉक्टर की मौत के लिए 10 लाख और बलात्कार के लिए 7 लाख मुआवजा तय किया। इस दौरान कोर्ट में मौजूद ट्रेनी डॉक्टर के माता–पिता ने हाथ जोड़कर कहा कि हमें मुआवजा नहीं, न्याय चाहिए। इस पर जज ने कहा– मैंने कानून के मुताबिक यह मुआवजा तय किया है। आप इसका इस्तेमाल चाहे जैसे कर सकते हैं। इस रकम को अपनी बेटी के बलात्कार और हत्या के मुआवजे के तौर पर मत देखिए।बात सही है कि इस जघन्य अपराध का कोई मुआवजा तय ही नहीं हो सकता, फिर भी अदालत ने कानून के दायरे में जो उचित था, वैसा फैसला सुनाया। पीड़िता के माता–पिता ने यह दावा भी किया है कि जांच ठीक से नहीं हुई है। कई लोगों को बचाया गया है। इस बारे में अदालत ने भी पुलिस और अस्पताल के रवैये की आलोचना की है। अस्पताल की तरफ से घटना की जानकारी देने में देर की गई और उसके बाद पुलिस ने केस दाखिल करने में देर की। दो पुलिसकर्मियों के बयान के आधार पर अदालत ने टिप्पणी की, इस बात में कोई शक नहीं कि अधिकारियों द्वारा ये कोशिश की जा रही थी कि इस मौत को आत्महत्या दिखाया जाए ताकि अस्पताल पर कोई बुरा असर न पड़े। जज ने अपने फैसले में कहा, चूंकि जूनियर डॉक्टरों ने विरोध करना शुरू कर दिया था, इसलिए ये गैर कानूनी सपना पूरा नहीं हो पाया। अदालत की यह टिप्पणी काफी गंभीर है, क्योंकि समाज में अनेक महिलाएं ताउम्र केवल इसलिए नाइंसाफी का शिकार बनी रहती हैं क्योंकि किसी न किसी वजह से दोषी को बचाने या मामले को दबाने की कोशिश की जाती है। इसमें अगर राजनीति का खेल शुरु हो जाता है, तब तो बात और बिगड़ जाती है। आर जी कर मामले में ही देश ने देखा कि किस तरह भाजपा ने इसे ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधने के लिए इस्तेमाल किया। इससे पहले निर्भया मामले में भी भाजपा का रवैया ऐसा ही था। लेकिन कठुआ, हाथरस, उन्नाव जैसे मामलों में भाजपा का रवैया दूसरा ही रहा। मणिपुर की घटना पर तो अंतरराष्ट्रीय मंचों से आलोचना हुई, लेकिन फिर भी भाजपा की तथाकथित डबल इंजन सरकार नाकारा साबित हुई। यही हश्र महिला पहलवानों के संघर्ष का भी रहा, जो यौन उत्पीड़न की शिकायत करती रहीं, मगर आरोपी सत्ताश्रय में मजे से रहे। आर जी कर मामले के दोषी संजय रॉय को चाहे मरने तक जेल में रहना पड़े या उसे बड़ी अदालतों से मौत की सजा मिल जाए, इससे देश में महिलाओं के साथ अत्याचार रुकेगा, इसका दावा नहीं किया जा सकता। निर्भया मामले में भी दोषियों को फांसी की सजा हुई, लेकिन इससे महिलाओं के लिए असुरक्षित और नकारात्मक माहौल में कोई बदलाव नहीं आया। इसलिए केवल कानूनी या अदालती कार्रवाई पर्याप्त नहीं है, इसमें हर तरह से सजगता चाहिए। आर जी कल मामले में ही सीबीआई ने आरोपपत्र में कहा कि संजय रॉय को बलात्कार या हत्या का कोई पछतावा नहीं है, उसका व्यवहार जानवरों जैसा था। कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संजय रॉय की कई शादियां भी हो चुकी हैं। यानी उसके चरित्र के सारे दाग अब दिखलाए जा रहे हैं। लेकिन इसी संजय रॉय ने 2019 में कोलकाता पुलिस में डिजास्टर मैनेजमेंट ग्रुप के लिए वॉलंटियर के तौर पर काम करना शुरू किया था, तब उसकी पूरी पृष्ठभूमि क्यों नहीं खंगाली गई, यह बड़ा सवाल है। अगर तब उसकी असलियत पता चल जाती तो शायद एक लड़की की जान बच जाती। क्योंकि पुलिस के लिए स्वयंसेवी के तौर पर काम करने के बाद संजय वेलफेयर सेल में चला गया। और अपने संपर्कों की बदौलत उसने कोलकाता पुलिस की चौथी बटालियन में घर भी ले लिया। इस घर की वजह से ही आरजी कर अस्पताल में उसे नौकरी मिली। बताया जाता है कि वह अक्सर अस्पताल की पुलिस चौकी पर तैनात रहता था, जिससे उसे सभी विभागों में आने–जाने की छूट मिली थी। संजय रॉय जैसे कितने ही दरिंदे इंसानों की शक्ल में हमारे आसपास घूमते रहते हैं, जिन्हें समाज या प्रशासन की लापरवाही के कारण अपराध करने की छूट मिल जाती है।

प्रकृति के सबक : हमारी जरूरतें उतनी होती नहीं, जितना हम समझते हैं... लॉस एंजिलिस की आग क्या सिखाती है?

❍ लॉस एंजिलिस की आग को देख मुझे 1990 में कैलिफोर्निया के जंगलों में लगी आग याद आ गई, जब मैंने अपना घर खाक होते हुए देखा, सिर्फ ब्रश बचा था। उस दौर ने दो बातें सिखाईं। एक, घर वह है, जो आपके भीतर रहता है, और दो, हमारी जरूरतें उतनी होती नहीं, जितना हम समझते हैं।

पिको अय्यर

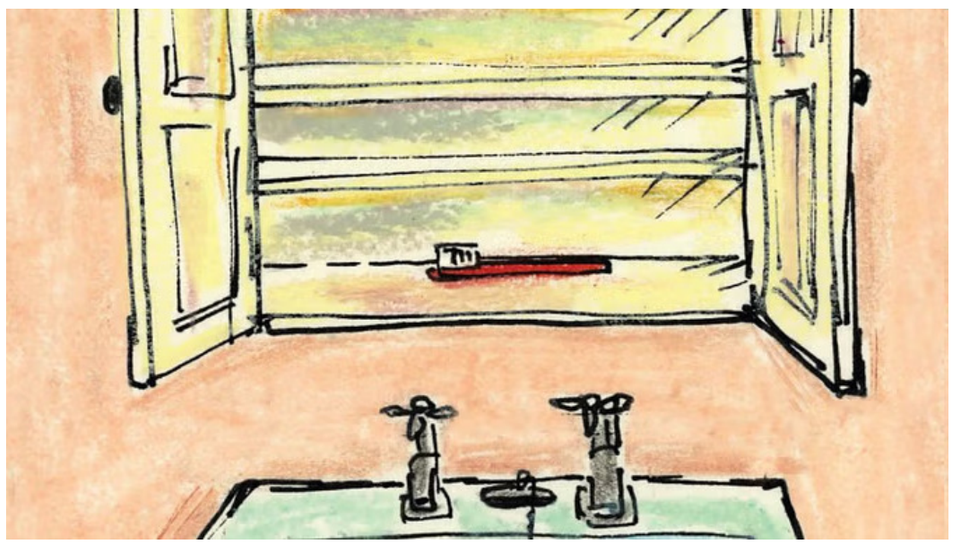

सन 1990 की धुंधली सुबह एक बार फिर मेरे जेहन में कौंध रही है। मैं कैलिफोर्निया के सांता बारबरा में संकरे पहाड़ी मार्ग पर पैदल ही बढ़ता जा रहा था। अग्नि बुझाने वाली टीम थकी होने के बावजूद लगातार आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही थी। राख में तब्दील हो चुके घरों और जली हुई कारों के बीच से गुजरते हुए मैं उस जगह पर पहुंचा, जहां मेरा घर हुआ करता था। अब वहां मलबे का गर्म ढेर था। एक दिन पहले शाम को जब मैं वहां आया था, तो मेरा घर करीब 70 फुट ऊंची लपटों में घिरा हुआ था, जो तेज हवाओं के कारण लगातार बढ़ रही थीं। मैं जल्दी से कार में बैठ गया। जब मैं नीचे लौटने लगा, तो मुझे महसूस हुआ कि मैं फंस चुका हूं। करीब तीन घंटे तक मैं कैलिफोर्निया के जंगलों में लगी विनाशक आग के बीच में था। एक नेक इन्सान ने मुझे बचाया, जो पानी के ट्रक में मदद करने के लिए आया था। भभकती हुई लपटों के बीच उसने मुझे आगे आने का इशारा किया। उसकी निस्वार्थता तब तक ताकत देती रही, जब तक कि मैं बाहर नहीं निकल आया। शाम के अंत तक मेरे पास जितना आभारी होने के लिए था, उतना ही दुखी होने के लिए भी। मेरी मां, जो उस वक्त फ्लोरिडा में थीं, को मैंने सब कुछ बताया, लेकिन फिर भी मैं हल्का नहीं हो सका।

मैंने उन्हें बताया कि साठ वर्षों की उनकी प्रत्येक अंतिम स्मृति–सभी फोटो, स्मृति चिह्न, व्याख्यान नोट और गले का हार–लगभग सब कुछ चला गया। उन्होंने कहा, 'वहां कुछ तो होगा, जो तुम बचा सकते हो, उसे तो बचा लो।' लेकिन पहाड़ी के ऊपर जाकर मैंने देखा कि हमारे नए घर की एक–एक चीज जल कर राख हो चुकी थी। आज अपनी आधी जिंदगी जी लेने के बाद मैं महसूस करता हूं कि 1990 का वह दिन मेरी जिंदगी का निर्णायक दिन था। धीरे–धीरे मैंने अपने जीवन को फिर से संवारा और मुझे एहसास हुआ कि हम ज्यादा साधारण जीवन जी सकते हैं, जैसा कि मैं हमेशा करना चाहता था। लगभग मौत के मुंह से लौटने के बाद मेरे लिए संपत्ति के नुकसान को सहन करना आसान हो गया था। नए खरीदे गए टूथब्रश के अलावा कुछ नहीं बचने पर, मैं अब भी उस पल को याद करके सिहर जाता हूं, जब मैं अकेला कार में बैठा खुद को असहाय महसूस कर रहा था। आग की लपटों को मेरी अगली तीन पुस्तकों और मेरे अगले कई वर्षों के लेखन के लिए मेरे सभी हस्तलिखित नोट्स को और उनके साथ मेरे एक लेखक बनने के आजीवन सपनों को मिटाते देख सकता हूं। मेरी मां को लगा कि उन्होंने अपना पूरा अतीत खो दिया है और अपने जीवन के अंतिम पड़ाव पर वह आसानी से नई शुरुआत के बारे में सोच भी नहीं सकती थीं। जैसा किसी की मौत के बाद होता है, ठीक वैसे ही, हमें कागजी कार्यवाहीघ्के एवरेस्ट का सामना करना पड़ा। छोटे अपार्टमेंट में रहने के बाद नया घर खरीदने के लिए करीब साढ़े तीन साल लग गए।

आखिरकार, जब हमारी बीमा कंपनी ने हमारे सामान को बदलने का प्रस्ताव दिया, तब मैंने देखा कि मैं अपने द्वारा जमा की गई ज्यादातर किताबों, कपड़ों और फर्नीचर के टुकड़ों के बिना भी खुशी से रह सकता हूं। कुछ मायनों में मुझे पहले की अपेक्षा हल्का महसूस हुआ। मैंने अपने संपादक से बात की और उन्हें बताया कि जिन किताबों के लिए मैंने उनसे वादा किया था, वे अब संभव नहीं हैं। सांत्वना जताते हुए उन्होंने मुझे यह एहसास भी कराया कि शायद मैं अब स्मृति, कल्पना और भावनाओं से, अपने नोट्स की तुलना में कहीं अधिक गहरे स्रोतों से लिख सकता हूं। एक आजीवन यात्री के रूप में, मैंने महसूस किया कि घर वह नहीं है, जहां आप रहते हैं, बल्कि वह है, जो आपके भीतर रहता है। मेरी मां, मेरी होने वाली पत्नी, कहानियां और गाने, जो अब भी मेरे मस्तिष्क में गूंजते हैं, ये सब मिलकर मेरा घर बनाते हैं। मेरे पास अब भी मेरे शब्द और कविताएं थीं, जिनसे मैंने सीखा था और यही मेरा असल आंतरिक बचत खाता था। वर्षों बाद एक मित्र ने मुझे बताया था कि सूफी कहते हैं कि उन्हीं चीजों पर आपका सच्चा हक होता है, जिन्हें आप जहाज के डूबने पर भी नहीं खोते हैं। बीते हफ्ते जब मैंने सांता बारबरा के लिए मेरी दिवंगत मां द्वारा पुनर्निर्मित किए गए घर की ओर उड़ान भरी, ठीक उसी वक्त मैंने लॉस एंजिलिस के आसपास आग से जिंदगियों को तबाह होते देखा। जैसा कि अक्सर होता है, हमारे घर में घुप्प अंधेरा था। हमें एक और आग के खतरे से बचाने के लिए हमारी बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई थी। रात भर एक छोटी–सी लालटेन की रोशनी में काम करते हुए मैंने उन दोस्तों के बारे में सुना, जिन्होंने अपना घर खो दिया था या होटलों में रह रहे थे, न जाने किस हाल में उनका लौटना होगा।

हमारा घर जला था, तब अक्सर आग लगने का डर बना रहता था, अब कैलिफोर्निया और पूरे पश्चिम में नियमित पर्यटक आते रहते हैं। इन जगहों के लिए बीमा पॉलिसियां लेना बहुत कठिन है। यहां आग, बाढ़ और भूस्खलन की चेतावनियां मिलती रहती हैं। 1990 में आग लगने के महीनों बाद, मैंने देखा कि मेरे कुछ पड़ोसी अपने सामान की बर्बादी के दुख से उबर नहीं पा रहे थे, जबकि कुछ सोच रहे थे कि वे कैसे नए सिरे से शुरुआत कर सकते हैं। यह शायद परिस्थितियों और मनोदशा का मामला है, लेकिन दुनिया के बढ़ते खतरों का मतलब है कि हमें अस्थिरताओं के बीच खुद को बिखरने न देना सीखना होगा। मुझे पूरी उम्मीद है कि लॉस एंजिलिस के आसपास बर्बाद हुए मेरे मित्र पीछे देखने के बजाय, आगे बढ़ेंगे। वे उन चीजों को संजोकर अपने पास रख सकते हैं, जो उनके पास हैं और जिन्हें, अक्सर हम हल्के में लेते हैं, जबकि यही वे चीजें हैं, जो हमें जीवित रखती हैं।

ट्रम्प के न बुलाये जाने के लिये मोदी खुद ही जिम्मेदार हैं

एक समय था जब किसी भी देश के राष्ट्राध्यक्ष, खासकर बड़े देशों के राष्ट्रपति–प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में कौन आमंत्रित है और कौन नहीं, यह बहुत मायने नहीं रखता था। देखा यह जाता था कि किस व्यक्ति के सर्वोच्च पद पर आसीन होने से किस तरह की आंतरिक व बाह्य नीति अपनाई जायेगी? हाल के वर्षों में शपथ ग्रहण समारोह एक इवेंट बन गया है जो घरेलू मोर्चे के साथ–साथ विदेशी मित्र हों या शत्रु अथवा तटस्थ देश–सभी को साधने का अवसर माना जाने लगा है। जब से यह परिपाटी चल पड़ी है, तब से मेहमानों की सूची इस मौके की सबसे अधिक गौरपूर्वक देखे जाने वाली बात बन गयी है। अतिथियों का चयन शपथ लेने वाले व्यक्ति पर काफी कुछ छोड़ दिया गया है और वह इस अवसर पर कौन उपस्थित रहेगा यह तय करने के साथ ही यह संदेश भी दे देता है कि अपने कार्यकाल में वह किसके साथ कैसे सम्बन्ध निभायेगा (या निभायेगी)। देश और पार्टी की नीतियां एवं विचारधाराएं अब गौण हो चली हैं तथा ज्यादातर राष्ट्राध्यक्ष जनता को अपने बूते हांकने लगे हैं। विशेष रूप से वे शासक जिनका रवैया अपेक्षाकृत कम या अलोकतांत्रिक होता है। ऐसे शासक अपने देश की चिर–परिचित नीतियों के साथ–साथ वैश्विक संतुलन बिगाड़ने में भी सक्षम होते हैं। अमेरिका के नये बने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को लेकर इसी तरह की आशंकाएं हैं। उनकी वाणी जैसी स्वच्छंद है, कार्यप्रणाली वैसी ही उच्छृंखल। 4 साल के अंतराल के बाद फिर से लौटे ट्रम्प जब दुनिया के सबसे ताकतवर राष्ट्रपति के पद की सोमवार को वाशिंगटन डीसी में शपथ ले रहे थे तो उनके अतिथियों के रूप में उन्हीं के जैसे अनेक दक्षिणपंथी नेता मौजूद थे। अतिथियों के रूप में किसे बुलाना है और किसे नहीं, इसके सामान्यतरू दो उद्देश्य होते हैं– एक, नयी शुरुआत करने की इच्छा की अभिव्यक्ति। याद करें 2014 में पहली बार नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री की शपथ ले रहे थे तब उन्होंने सार्क देशों के प्रमुखों को आमंत्रित किया था।

'अमेरिका की ट्रंप सरकार आत्मविश्वास से भरी'

● आव्रजन नीति और पाकिस्तान मुद्दे पर भी बोले जयशंकर

वाशिंगटन,(एजेंसी)। ट्रंप 2.0 के शपथ समारोह में शामिल होने के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर भारत रवाना हो गए हैं। वहीं उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन को श्बहुत आश्वस्त और उत्साहित प्रशासनश बताया हैं। इसके साथ ही उन्होंने अवैध तरीके से रह रहे भारतीयों को वैध तरीके से भेजने की बात की और ये भी बताया कि पाकिस्तान के साथ व्यापार फिर से शुरू करने पर कोई बातचीत नहीं हुई है। विदेश मंत्री जयशंकर ने भारतीय पत्रकारों के समूह की प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि, श्मैंने जो देखा वह वास्तव में एक बहुत ही आत्मविश्वासी और उत्साहित आने वाला प्रशासन था। मेरा मतलब है कि यह भावना कि श्देखिए, हमें काम पूरा करना हैश।श भारतीय विदेश मंत्री 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए भारत सरकार के प्रतिनिधि थे। बता दें कि, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी राष्ट्रपति के शपथ समारोह में शामिल होने के बाद नए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ द्विपक्षीय वार्ता की, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज के साथ बैठकें कीं और एक बहुपक्षीय क्वाड बैठक में भाग लिया, इसके अलावा नए ट्रंप प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों के साथ बातचीत की। श्अमेरिकी राष्ट्रपति और भारतीय प्रधानमंत्री के बीच बहुत अच्छा रिश्ताश जयशंकर ने एक सवाल के जवाब में कहा, श्अमेरिकी राष्ट्रपति और भारतीय प्रधानमंत्री के बीच बहुत अच्छा रिश्ता है। साथ मिलकर काम करने का इतिहास रहा है।श शपिछले 48 घंटों में मैंने जो उत्साह और आत्मविश्वास देखा है, उसे देखते हुए मुझे लगता है कि यह एक असाधारण रूप से सक्रिय प्रशासन है। और सिर्फ पिछले 48 घंटे ही नहीं, बल्कि वे पदभार संभालने से पहले भी बहुत सक्रिय थे। जयशंकर ने कहा कि उन्होंने पहली बार किसी राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया। श्भारत हमेशा अवैध भारतीयों की वैध वापसी के लिए तैयारश वहीं इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत हमेशा अवैध भारतीयों की वैध वापसी के लिए तैयार है। बुधवार को उन्होंने कहा कि नई दिल्ली अभी भी अमेरिका से उन लोगों की पुष्टि करने की प्रक्रिया में है जिन्हें भारत भेजा जा सकता है और ऐसे व्यक्तियों की संख्या अभी निर्धारित नहीं की जा सकती है। ष्एक सरकार के रूप में, हम स्पष्ट रूप से कानूनी गतिशीलता के बहुत समर्थक हैं क्योंकि हम वैश्विक कार्यस्थल में विश्वास करते हैं।

हम चाहते हैं कि भारतीय प्रतिभा और भारतीय कौशल को वैश्विक स्तर पर अधिकतम अवसर मिले। साथ ही, हम इस बात पर भी दृढ़ता से कायम हैं कि हम कानूनी गतिशीलता के पक्ष में हैं।

महाकुम्भ मेला 2025 के दौरान मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा मेले में आने वाले अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये विभिन्न मेला विशेष रेलगाड़ियों के संचालन की व्यवस्था की गयी है। इसी क्रम में समय - सारणीबद्ध निम्न रिंग रेल सेवा सहित आरक्षित, अनारक्षित मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया जा रहा है, इसके अतिरिक्त अन्य मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन आवश्यकतानुसार किया जायेगा।

दिनांक 24-01-2025 (शुक्रवार) को चलने वाली समय-सारणीबद्ध मेला विशेष रेलगाड़ियों की सूची

गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान का समय	स्टेशन तक	आगमन का समय	मार्ग के अन्य स्टेशनों पर ठहराव
अनारक्षित रिंग रेल सेवा रेलगाड़ियों की सूची					
04111	प्रयागराज जं.	06:00	प्रयागराज जं.	18:50	प्रयागराज रामबाग, झूँसी, हंडिया खास, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, भदोही, जंघई, मंडियाहू, ज़फराबाद, जौनपुर, शाहगंज, अकबरपुर, गाज़ीपुर, अयोध्या, अयोध्या कैंट, सुलतानपुर, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, मऊआइमा, फाफामऊ एवं प्रयाग
04112	प्रयागराज जं.	06:30	प्रयागराज जं.	21:00	
04113	प्रयागराज जं.	17:30	प्रयागराज जं.	07:45	
04114	प्रयागराज जं.	17:45	प्रयागराज जं.	08:00	
04109	गोविन्दपुरी	15:45	गोविन्दपुरी	07:00	बिन्दकी रोड, फतेहपुर, खागा, सिराथू, भरवारी, प्रयागराज जं., नैनी जं., शंकरगढ़, बरगढ़ रोड, हभौरा, मानिकपुर, चित्रकूट धाम कर्वी, अतर्रा, बाँदा, रागौल, भरुआ सुमेरपुर, हमीरपुर रोड, घाटमपुर एवं भीमसेन
04110	गोविन्दपुरी	07:30	गोविन्दपुरी	21:30	
01803	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	12:00	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	09:00	चिरगाँव, मोठ, एटा, उरई, कालपी, पुखरायां, भीमसेन, गोविन्दपुरी, बिन्दकी रोड, फतेहपुर, खागा, सिराथू, भरवारी, प्रयागराज जं., नैनी जं., शंकरगढ़, बरगढ़ रोड, हभौरा, मानिकपुर, चित्रकूट धाम कर्वी, अतर्रा, बाँदा, महोबा, कुलपहाड़, हरपालपुर, मऊरानीपुर, निवाड़ी एवं ओरछा
01804	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	20:10	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	16:30	
आरक्षित रिंग रेल सेवा रेलगाड़ी की सूची					
01808	प्रयागराज जं.	06:45	ग्वालियर	17:10	नैनी जं., शंकरगढ़, हभौरा, मानिकपुर, चित्रकूट धाम कर्वी, अतर्रा, बाँदा, महोबा, कुलपहाड़, हरपालपुर, मऊरानीपुर, निवाड़ी, ओरछा, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, दतिया एवं डबरा
उत्तर मध्य रेलवे से चलने/गुजरने वाली आरक्षित मेला विशेष रेलगाड़ियों की सूची					
02417	सूबेदारगंज	21:35	दिल्ली	08:55	फतेहपुर, गोविन्दपुरी, इटावा, टूण्डला एवं अलीगढ़
04146	दिल्ली	09:30	सूबेदारगंज	19:40	
03021	हावड़ा	19:35	टूण्डला	19:20	मिर्ज़ापुर, प्रयागराज जं., फतेहपुर, गोविन्दपुरी एवं इटावा
03024	टूण्डला	11:20	हावड़ा	15:20	
08426	टूण्डला	03:00	भुवनेश्वर	07:00	
03219	पटना	14:25	प्रयागराज	22:00	नैनी, मेजा रोड, माण्डा रोड, विंध्याचल, मिर्ज़ापुर एवं चुनार
03220	प्रयागराज	22:35	पटना	09:15	
03689	गया	02:20	प्रयागराज	10:10	
03690	प्रयागराज	11:00	गया	18:45	
07701	गुंटूर	23:00	आजमगढ़	17:15	मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी एंव मिर्ज़ापुर
07730	गया	19:45	मौला अली	07:30	मानिकपुर एवं प्रयागराज छिवकी
07722	पटना	15:30	नांदेड	04:30	
07008	रक्सौल	19:15	सिकंदराबाद	10:00	
09422	बनारस	19:30	साबरमती	01:25	प्रयागराज, फतेहपुर, गोविन्दपुरी, इटावा, टूण्डला एवं आगरा फोर्ट
07022	ढानापुर	22:30	सिकंदराबाद	09:30	प्रयागराज छिवकी
01662	बनारस	14:45	रानी कमलापति	11:30	मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर एवं चुनार
09801	सोगरिया	08:15	बनारस	10:15	
01455	पुणे	10:10	मऊ	22:00	
06022	गया	23:55	तिरुवंनतपुरम नार्थ	10:15	
09017	वापी	08:20	गया	19:00	
04811	बाड़मेर	17:30	बरौनी	09:00	आगरा फोर्ट , टूण्डला, इटावा, गोविन्दपुरी, फतेहपुर, प्रयागराज एवं मिर्ज़ापुर

नोट : रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं. 139, एनटीईएस ऐप रेल मदद वेबसाईट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं0 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 149/25 (AS)

कैबिनेट की मंजूरी... अप्रैल तक 50 करोड़ के बॉन्ड जारी करेगा नगर निगम, बनेंगे व्यावसायिक भवन

वाराणसी। कैबिनेट से मंजूरी के बाद पहले चरण में अप्रैल तक नगर निगम 50 करोड़ रुपये के बॉन्ड जारी करेगा। इससे अंतरराष्ट्रीय निवेश बढ़ेगा। बॉन्ड से मिलने वाली धनराशि से शहर का बेहतर विकास होगा। नगर निगम दो योजनाओं के लिए 25–25 करोड़ रुपये के बॉन्ड के जरिये धनराशि जुटाएगा। इसके अलावा 25 करोड़ रुपये नगर निगम अपना लगाएगा। इससे नगर निगम को आय का एक नया स्रोत मिल जाएगा। विकास कार्यों की रफ्तार में तेजी आएगी।

बॉन्ड की धनराशि से होंगे ये काम

बॉन्ड की धनराशि से सिगरा स्टेडियम के पास भूमिगत पार्किंग, व्यावसायिक बाजार व होटल का निर्माण कार्य कराया जाएगा। इसके अलावा लहुराबीर से कबीरचौरा रोड पर बने पशु चिकित्सालय जो घोड़ा अस्पताल के नाम से जाना जाता है। यहां पर ढाई एकड़ में व्यावसायिक भवन बनाया जाएगा। इन दोनों योजनाओं के लिए बॉन्ड जारी होगा। 36 करोड़ रुपये की लागत से सिगरा स्टेडियम के पास बनने वाले व्यावसायिक बाजार के लिए 80 प्रतिशत राशि यानी 28 करोड़ रुपये बॉन्ड से जुटाएंगे।

यहां 2600 वर्गमीटर में जी प्लस फाइव भवन में भूमिगत पार्किंग की सुविधा होगी।

छोटी–बड़ी मालवाहक गाड़ियों को दिन में नहीं मिलेगी एंट्री

वाराणसी। महाकुंभ से पलट प्रवाह के चलते शहर में तीन से चार गुना वाहनों का दबाव बढ़ गया है। हर तरफ जाम का सामना कर रहे लोगों की सहूलियत के लिए अब दिन में छोटी–बड़ी मालवाहक गाड़ियां शहर में प्रवेश नहीं कर पाएंगी। ग्रामीण और शहर की सीमा पर इन्हें रोक दिया जाएगा। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने और अस्थाई पार्किंग में वाहनों को खड़ा कराने को कहा। बुधवार शाम पुलिस आयुक्त ने निरीक्षण किया। कैंट रेलवे स्टेशन, रोडवेज, संपूर्णानंद पार्किंग, अमर उजाला चौराहा, सिगरा, रथयात्रा, भेलूपुर, लंका, मालवीय चौराहा, नरिया, डीएलडब्ल्यू, मंडुवाडीह चौराहे का निरीक्षण किया। पुलिस आयुक्त ने कहा कि पार्किंग स्थलों के पास ऑपरेशन–चक्रव्यूह के तहत चेकिंग की जाए। अस्थाई पार्किंग स्थलों पर श्रद्धालुओं व पर्यटकों की सुविधाओं के तहत हेल्प डेस्क, पीए सिस्टम की व्यवस्था हो। इस दौरान अपर पुलिस उपायुक्त काशी जोन सरवणन टी., अपर पुलिस उपायुक्त यातायात राजेश कुमार पांडेय मौजूद रहे।

सर्किट हाउस के पास बनेगा नया उपकेंद्र

वाराणसी। बिजली निगम की ओर से शहरी क्षेत्र में सात नए उपकेंद्र बनाए जाने की तैयारी चल रही है। इसमें सर्किट हाउस, पीएसी भुल्लनपुर, दशाश्वमेध आदि वीआईपी क्षेत्र शामिल हैं। सर्किट हाउस के पास नया उपकेंद्र बनाए जाने के साथ ही नया फीडर भी बनेगी। इससे सर्किट हाउस समेत वीआईपी इलाकों और सरकारी कार्यालयों में बिजली आपूर्ति बेहतर होगी। जिले में इस समय कुल 85 उपकेंद्र हैं, इसमें शहर में 44 जबकि ग्रामीण इलाकों में 41 उपकेंद्रों से आपूर्ति की जाती है। अब निगम की ओर से शहर से लेकर गांव तक बिजली आपूर्ति के लिए 33?11 केवी के 15 नये उपकेंद्र को बनवाने का निर्णय लिया गया है।

इसके बाद जिले में उपकेंद्रों की संख्या 100 हो जाएगी। 15 में से 8 उपकेंद्र ग्रामीण इलाकों में और 7 शहरी इलाकों में बनने हैं। शहरी क्षेत्र में पीएसी भुल्लनपुर, सर्किट हाउस, रेवड़ी तालाब, दशाश्वमेध पर जगह फाइनल की जा चुकी है।

इसके अलावा तीन और जगहों पर उपकेंद्र बनने हैं।

अप्रैल तक 50 करोड़ के बॉन्ड जारी करेगा निगम, बनेंगे व्यावसायिक भवन

वाराणसी। कैबिनेट से मंजूरी के बाद पहले चरण में अप्रैल तक नगर निगम 50 करोड़ रुपये के बॉन्ड जारी करेगा। इससे अंतरराष्ट्रीय निवेश बढ़ेगा। बॉन्ड से मिलने वाली धनराशि से शहर का बेहतर विकास होगा। नगर निगम दो योजनाओं के लिए 25–25 करोड़ रुपये के बॉन्ड के जरिये धनराशि जुटाएगा। इसके अलावा 25 करोड़ रुपये नगर निगम अपना लगाएगा। इससे नगर निगम को आय का एक नया स्रोत मिल जाएगा। विकास कार्यों की रफ्तार में तेजी आएगी। बॉन्ड की धनराशि से सिगरा स्टेडियम के पास भूमिगत पार्किंग, व्यावसायिक बाजार व होटल का निर्माण कार्य कराया जाएगा। इसके अलावा लहुराबीर से कबीरचौरा रोड पर बने पशु चिकित्सालय जो घोड़ा अस्पताल के नाम से जाना जाता है। यहां पर ढाई एकड़ में व्यावसायिक भवन बनाया जाएगा। इन दोनों योजनाओं के लिए बॉन्ड जारी होगा। 36 करोड़ रुपये की लागत से सिगरा स्टेडियम के पास बनने वाले व्यावसायिक बाजार के लिए 80 प्रतिशत राशि यानी 28 करोड़ रुपये बॉन्ड से जुटाएंगे। यहां 2600 वर्गमीटर में जी प्लस फाइव भवन में भूमिगत पार्किंग की सुविधा होगी। इसमें 56 कार और 22 दोपहिया वाहन को पार्क किए जाएंगे। इसमें निगम को 65 लाख रुपये महीने आय होने का अनुमान है। इसके अलावा घोड़ा अस्पताल के पास बनने वाले व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स को बनवाने में 22 करोड़ रुपये का बॉन्ड जारी किया जाएगा। दोनों योजनाओं का मानचित्र स्वीकृति के लिए वीडीए में भेजा गया है। बॉन्ड जारी करने के लिए नगर निगम को डबल ए की रेटिंग मिल चुकी है। बॉन्ड जारी होने से होगा फायदा रू बॉन्ड में पैसा लगाने की परिपक्वता पूरी करने पर सालाना ब्याज मिलेगा। देश–विदेश के लोग निवेश करेंगे। शेयर बाजार में लिस्ट होने के बाद आम लोग एक्सचेंजों के जरिये निवेश कर सकेंगे। बॉन्ड पर मिल रहा रिटर्न पूरी तरह से आयकर मुक्त होगा। बॉन्ड से सस्ते दर पर कर्ज जुटा सकेंगे।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., कौशाम्बी

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड लो०नि०वि०, द्वारा लोक निर्माण विभाग में ए० बी० सी डी० भवन श्रेणी में शासनादेश संख्या– 3460/ 23–7–08–41 एस0एस0ए0 /54 टी०सी० – III दिनांक 28.07.2008 के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदारों के लिए निम्नलिखित कार्यो का प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है। कोई भी ठेकेदार एक अथवा सभी निविदाओं के लिए निविदा दे सकता है।

क्र0 सं0	जिला	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (माह में)	कार्यदायी अधिशासी अभियन्ता के खण्ड का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	जिलाधिकारी का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	कौशाम्बी	कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय म्योहर के मरम्मत का कार्य।	9.37	0.94	Ten.Cost 500 + St.Ch.300+ GST	02 माह	अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 , कौशाम्बी	अधीक्षण अभियन्ता, प्रयागराज वृत्त, लो0नि0वि0 , प्रयागराज	जिलाधिकारी कौशाम्बी
2	कौशाम्बी	कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय म्योहर में ओपन जिम स्थापित करने का कार्य।	6.88	0.69	Ten.Cost 500 + St.Ch.300+ GST	02 माह			
3	कौशाम्बी	कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय चायल के मरम्मत का कार्य।	5.67	0.57	Ten.Cost 500 + St.Ch.300+ GST	02 माह			
4	कौशाम्बी	कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय चायल में ओपन जिम स्थापित करने का कार्य।	7.24	0.73	Ten.Cost 500 + St.Ch.300+ GST	02 माह			
5	कौशाम्बी	जनपद कौशाम्बी में आवकारी आफिस के मरम्मत का कार्य।	1.70	0.34	Ten.Cost 500 + St.Ch.300+ GST	02 माह			

3. प्रत्येक कार्य को पूर्ण करने की अवधि (वर्षाकाल सहित) उपरोक्त तालिका के कालम –7 में दर्शाई गई।
4. निविदा की वैधता प्राप्ति के दिन से 90 दिन के लिये होगी । वैधता की अवधि में निविदा को वापस नही लिया जा सकेगा ।
5. निविदा प्रपत्र सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता, अधीक्षण अभियन्ता, एवं जिलाधिकारी जिनका वर्णन तालिका के कॉलम – 8, 9 व 10 में है, के कार्यालय से आवश्यक मूल्य देकर प्रत्येक कार्य दिवस में 11 बजे पूर्वाह्न से 4 बजे अप्रान तक दिनांक 25.01.2025 से 03.02.2025 तक नगद अथवा डिमाण्ड ड्राफ्ट किसी राष्ट्रीकृत बैंक से जो कि अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, कौशाम्बी के नाम देय होगा से क्रय की जा सकती है। इच्छुक निविदाकर्ता अधिक जानकारी सम्बन्धित कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। डाक द्वारा निविदा प्रपत्र प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त धनराशि रू0 200.00 देकर प्राप्त की जा सकती है तथा इसके लिए दिनांक दृ 03.02.2025 सांय 4 बजे तक अनुरोध ा स्वीकार की जायेगी । निविदा आमंत्रित करने वाले अधिकारी डाक में देरी के लिये जिम्मेदार नही होंगे।
4. निविदा प्रपत्र सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता, अधीक्षण अभियन्ता एवं जिलाधिकारी जिनका वर्णन तालिका के कॉलम – 8, 9, व 10 में है, के कार्यालय में दिनांक– 04.02.2025 को अप्रान से 12.30 बजे तक जमा की जा सकती है। जिसको अगले कार्य दिवस में दिनांक– 05. 02.2025 को 2.30 बजे जिलाधिकारी के कार्यालय में जैसा कि स्तम्भ – 10 में वर्णित है, इच्छुक निविदाकर्ता की उपस्थिति में खोली जायेगी। यदि उक्त निविदा प्राप्त करने एवं खोलने के दिनांक को राजकीय अवकाश घोषित होता है तो निविदा प्राप्त एवं खोलने की तिथि अगला कार्यदिवस होगा और स्थल तथा खोलने के समय तथा वैधता में कोई परिर्वतन नही होगा । निविदा की वैधता मूल तिथि से मानी जायेगी।
5. निविदादाता को शासनादेश सं0– 3070ध्78–2–18–42– आई0टी0/2017 (22), दि0 02.01.2018 के अनुसार निविदा शुल्क एवं धरोहर धनराशि जमा करना होगा।
6. निविदा के साथ निर्धारित धरोहर धनराशि संलग्न होनी चाहिये। धरोहर धनराशि एन०एस०सी०ई राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ०डी०आर के रूप में होनी चाहिए, जो कि अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि०, कौशाम्बी के पक्ष में बंधक होगी जो कि निविदा की वैद्यता से 45 दिन अधिक की तिथि वैध होना अनिवार्य होगा ।
7. कोई निविदाकर्ता कार्यदायी खण्ड ध वृत्त में जहाँ उनका सम्बन्धित अथवा उनकी पत्नी का कोई निकट सम्बन्धी (प्रथम रक्त सम्बन्धी अथवा उनकी पत्नी) खण्डीय लेखाकार के रूप में कार्यरत हों अथवा अधीक्षण अभियन्ता एवं अवर अभियन्ता (दोनों को सम्मिलित करते हुये) डालने के लिये योग्य नहीं होंगे। निविदाकर्ता द्वारा यह शपथ पत्र भी दिया जायेगा जिसमें उसके सम्बन्धियों के नाम तथा उनके पदनाम का उल्लेख होगा, जो कि कार्यदायी खण्ड एवं उससे सम्बन्धित वृत्त में कार्यरत हों ।
8. निविदा के साथ निर्धारित धरोहर धनराशि संलग्न होनी चाहिये। धरोहर धनराशि एन०एस०सी०ई राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ०डी०आर के रूप में होनी चाहिए, जो कि अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो०नि०वि०, कौशाम्बी के पक्ष में बंधक होगी जो कि निविदा की वैद्यता से 45 दिन अधिक की तिथि वैध होना अनिवार्य होगा ।
9. कोई निविदाकर्ता कार्यदायी खण्ड ध वृत्त में जहाँ उनका सम्बन्धित अथवा उनकी पत्नी का कोई निकट सम्बन्धी (प्रथम रक्त सम्बन्धी अथवा उनकी पत्नी) खण्डीय लेखाकार के रूप में कार्यरत हों अथवा अधीक्षण अभियन्ता एवं अवर अभियन्ता (दोनों को सम्मिलित करते हुये) डालने के लिये योग्य नहीं होंगे। निविदाकर्ता द्वारा यह शपथ पत्र भी दिया जायेगा जिसमें उसके सम्बन्धियों के नाम तथा उनके पदनाम का उल्लेख होगा, जो कि कार्यदायी खण्ड एवं उससे सम्बन्धित वृत्त में कार्यरत हों ।
10. कोई भी राजपत्रित अभियन्ता अथवा राजपत्रित अधिकारी जो कि राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के प्रशाकीय विभाग में कार्यरत हों सेवा निवृत्ति के अवधि के 2 वर्ष तक बिना सरकार के अनुमति के ठेकेदारी के काम के लिये प्रतिबन्धित होंगे। यदि यह पाया जाता है कि ठेकेदार अथवा उसके प्रतिनिधि ने निविदा डालने से पहले राज्य सरकार से अनुमति नही ली है तो या ठेकेदार के साथ कार्य करना शुरू कर दिया है, ठेकेदारी निरस्त किया जा सकता है।
11. निविदा से सम्बन्धित विवरण निविदा डालने हेतु योग्यता एवं पात्रता, ड्राइंग, विशिष्टियाँ, मात्राओं का विवरण एवं ठेके की अन्य शर्तो जिनका ठेकेदार द्वारा पालन किया जाना है को सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता के कार्यालय में जिनका उल्लेख कॉलम–8 में किया गया है, किसी कार्यदिवस में पूर्वाह्न 11.00 बजे अप्रान 4.00 बजे दिनांक 25.01.2025 से 03.02.2025 तक देखा जा सकता है।
12. कोई भी निविदाकर्ता जिसका अपराधिक रिकार्ड है, निविदा में भाग लेने से प्रतिबन्धित होंगे।
13. ऐसे निविदाकर्ता जो राज्य विधि कौंसिल में पंजीकृत हों, निविदा देने से प्रतिबन्धित होंगे (निविदा डालने योग्य नही होंगे)
14. चूंकि यह एक समयबद्ध कार्यक्रम हैं, समय के विस्तार के लिए कोई अनुरोध स्वीकार नही किया जायेगा ।
15. निविदाकर्ता द्वारा सभी सूचना/डाक्यूमेन्ट निर्धारित प्रपत्र (टी– 4, टी–5, टी – 6) में प्रत्येक बिड के साथ दी जायेगी ।
16. शासनादेश संख्या – 622/23–12–2012–2 आडिट/08 टी०सी० लो०नि० अनुभाग–12, दिनांक 08 जून 2012 एवं प्रमुख अभियन्ता के पत्रांक – 379 सी०जी०/म०ले०– लोक लेखा समित, 12–13 दिनांक 29.06.2012 के अनुसार अनुबन्ध गठन समय 10 प्रतिशत बिलो तक 0.50 प्रतिशत प्रति 1 प्रतिशत कम दर पर तथा 10 प्रतिशत से अधिक बिलो दर पर 1.00 प्रतिशत प्रति 1 प्रतिशत कम दर पर सिक्योरिटी/परफारमेंस गारण्टी ली जायेगी ।
17. दोष की देयता अवधि (**Delfct Liability Period**) वास्तविक कार्य पूरा होने के दो साल बाद तक होगी और उसके बाद धरोहर धनराशि वापस की जायेगी ।

बृजभान सिंह यादव
सहायक अभियंता
प्रांतीय खण्ड, लो.नि.वि. कौशाम्बी

हरबंश सिंह
अधिशासी अभियंता
प्रांतीय खण्ड, लो.नि.वि. कौशाम्बी

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये **गाड़ी संख्याः 03219/03220 पटना-प्रयागराज कुम्भ मेला स्पेशल गाड़ी का धीना स्टेशन** पर अतिरिक्त ठहराव दिया गया है। इसके अतिरिक्त निम्न रेलगाड़ियों के निरस्तीकरण का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

1. रेलगाड़ियों का अतिरिक्त ठहराव

गाड़ी संख्या	स्टेशन से	स्टेशन तक	स्टेशन	समय	
				आगमन	प्रस्थान
03219	पटना	प्रयागराज	धीना	17.18	17.20
03220	प्रयागराज	पटना	धीना	06.15	06.17

2. रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

गाड़ी संख्या	स्टेशन से	स्टेशन तक	प्रारंभिक स्टेशन से निरस्तीकरण की प्रभावी तिथि
15657	दिल्ली	कामाख्या	30.01.2025 व 04.02.2025
12802	नई दिल्ली	पुरी	30.01.2025 व 04.02.2025
12398	नई दिल्ली	गया	30.01.2025 व 04.02.2025
20961	ऊधना	बनारस	28.01.2025
12428	आनंद विहार (ट)	रीवा	28.01.2025 व 02.02.2025
12368	नई दिल्ली	भागलपुर	30.01.2025 व 04.02.2025
22307	हावड़ा	बीकानेर	30.01.2025
12815	पुरी	आनंद विहार (ट)	27.01.2025
12505	कामाख्या	आनंद विहार (ट)	27.01.2025 व 01.02.2025
12487	जोगबनी	आनंद विहार (ट)	30.01.2025
12311	हावड़ा	कालका	26.01.2025 व 31.01.2025
18309	सम्बलपुर	जम्मू तवी	25.01.2025
15483	अलीपुर द्वार जं.	दिल्ली	27.01.2025 व 01.02.2025
22465	मधुपुर	आनंद विहार (ट)	30.01.2025
12397	गया	नई दिल्ली	28.01.2025 व 02.02.2025
12367	भागलपुर	नई दिल्ली	28.01.2025 व 02.02.2025
15634	गुवाहाटी	बीकानेर	25.01.2025
12942	आसनसोल	भावनगर	30.01.2025
12307	हावड़ा	जोधपुर	04.02.2025

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं.1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे
@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in
147/25 FA

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या-25/05 दिनांक- 21.01.2025

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज (आई.एस.ओ. 9001: 2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	38241581 बी	बोगी सेंटर पिवेट बॉटम	2311 नग	13.02.2025
2	20242021A	ट्यूब फॉर मोटर सस्पेंशन यूनिट	130 नग	18.02.2025

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https:// www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं। निविदाओं में किसी भी बदलाव/ शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा।

142/25(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

काशी तमिल संगमम विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये काशी तमिल संगमम विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी संख्या 06193/06194 डॉ0 एम.जी. रामचन्द्रन चेन्नई सेंट्रल - बनारस

गाड़ी संख्या - 06193 डॉ0 एम.जी. रामचन्द्रन चेन्नई सेंट्रल-बनारस				गाड़ी संख्या - 06194 बनारस-डॉ0 एम.जी. रामचन्द्रन चेन्नई सेंट्रल		
दिनांक	आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	दिनांक
13 फरवरी	----	14:45	डॉ0 एम.जी. रामचन्द्रन चेन्नई सेंट्रल ▲	23:45	----	20 फरवरी
15 फरवरी	00:45	00:47	मानिकपुर	08:55	08:57	
	02:40	02:45	प्रयागराज छिवकी	05:55	06:00	
	04:28	04:30	मिर्ज़ापुर	04:43	04:45	
	05:23	05:25	चुनार	04:10	04:12	19 फरवरी
15 फरवरी	07:15	----	▼ बनारस	----	02:00	19 फरवरी

डॉ0 एम.जी. रामचन्द्रन चेन्नई सेंट्रल से:- गाड़ी संख्या 06193, दिनांक 13.02.2025 (गुरूवार) को। **बनारस से:-** गाड़ी संख्या 06194, दिनांक 19.02.2025 (बुधवार) को।
गाड़ी संरचनाः- स्लीपर श्रेणी- 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 06 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी कोच - 08

गाड़ी संख्या 06195/06196 कन्याकुमारी-बनारस

गाड़ी संख्या - 06195 कन्याकुमारी - बनारस				गाड़ी संख्या - 06196 बनारस - कन्याकुमारी		
दिनांक	आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	दिनांक
13 फरवरी	----	23:00	कन्याकुमारी ▲	15:00	----	22 फरवरी
16 फरवरी	00:45	00:47	मानिकपुर	11:08	11:10	
	02:40	02:45	प्रयागराज छिवकी	08:50	08:55	
	04:28	04:30	मिर्ज़ापुर	06:40	06:42	
	05:23	05:25	चुनार	06:10	06:12	20 फरवरी
16 फरवरी	07:15	----	▼ बनारस	----	04:20	20 फरवरी

कन्याकुमारी से:- गाड़ी संख्या 06195, दिनांक 13.02.2025 (गुरूवार) को। **बनारस से:-** गाड़ी संख्या 06196, दिनांक 20.02.2025 (गुरूवार) को। **गाड़ी संरचनाः-** स्लीपर श्रेणी- 08, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 05, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी कोच - 02 एवं वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 01

गाड़ी संख्या 06187/06188 कोयम्बत्तूर-बनारस

गाड़ी संख्या - 06187 कोयम्बत्तूर - बनारस				गाड़ी संख्या - 06188 बनारस - कोयम्बत्तूर		
दिनांक	आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	दिनांक
16 फरवरी	----	06:35	कोयम्बत्तूर ▲	09:30	----	24 फरवरी
18 फरवरी	00:45	00:47	मानिकपुर	08:55	08:57	
	02:40	02:45	प्रयागराज छिवकी	05:55	06:00	
	04:28	04:30	मिर्ज़ापुर	04:43	04:45	
	05:23	05:25	चुनार	04:10	04:12	22 फरवरी
18 फरवरी	07:15	----	▼ बनारस	----	02:00	22 फरवरी

कोयम्बत्तूर से:- गाड़ी संख्या 06187, दिनांक 16.02.2025 (रविवार) को। **बनारस से:-** गाड़ी संख्या 06188, दिनांक 22.02.2025 (शनिवार) को। **गाड़ी संरचनाः-** स्लीपर श्रेणी- 07, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 06 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी कोच - 03

गाड़ी संख्या 06163/06164 कन्याकुमारी-बनारस

गाड़ी संख्या - 06163 कन्याकुमारी - बनारस				गाड़ी संख्या - 06164 बनारस - कन्याकुमारी		
दिनांक	आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	दिनांक
17 फरवरी	----	23:30	कन्याकुमारी ▲	02:45	----	26 फरवरी
20 फरवरी	00:45	00:47	मानिकपुर	02:18	02:20	
	02:40	02:45	प्रयागराज छिवकी	23:15	23:20	
	04:28	04:30	मिर्ज़ापुर	21:40	21:42	
	05:23	05:25	चुनार	21:03	21:05	23 फरवरी
20 फरवरी	07:15	----	▼ बनारस	----	19:05	23 फरवरी

कन्याकुमारी से:- गाड़ी संख्या 06163, दिनांक 17.02.2025 (सोमवार) को। **बनारस से:-** गाड़ी संख्या 06164, दिनांक 23.02.2025 (रविवार) को। **गाड़ी संरचनाः-** स्लीपर श्रेणी- 07, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 08 एवं वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 01

गाड़ी संख्या 06153/06154 डॉ0 एम.जी. रामचन्द्रन चेन्नई सेंट्रल - बनारस

गाड़ी संख्या - 06153 डॉ0 एम.जी. रामचन्द्रन चेन्नई सेंट्रल-बनारस				गाड़ी संख्या - 06154 बनारस-डॉ0 एम.जी. रामचन्द्रन चेन्नई सेंट्रल		
दिनांक	आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	दिनांक
19 फरवरी	----	14:45	डॉ0 एम.जी. रामचन्द्रन चेन्नई सेंट्रल ▲	09:30	----	26 फरवरी
21 फरवरी	04:18	04:20	मानिकपुर	00:13	00:15	25 फरवरी
	06:25	06:30	प्रयागराज छिवकी	21:30	21:35	
	07:25	07:27	मिर्ज़ापुर	20:00	20:02	
	07:55	07:57	चुनार	19:28	19:30	24 फरवरी
21 फरवरी	11:45	----	▼ बनारस	----	18:05	24 फरवरी

डॉ0 एम.जी. रामचन्द्रन चेन्नई सेंट्रल से:- गाड़ी संख्या 06153, दिनांक 19.02.2025 (बुधवार) को। **बनारस से:-** गाड़ी संख्या 06154, दिनांक 24.02.2025 (सोमवार) को।
गाड़ी संरचनाः- सामान्य श्रेणी - 02, स्लीपर श्रेणी- 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 05, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी कोच - 03 एवं वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 02

नोटः- रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं0 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे
@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in
150/25 (A)

श्रीपंच कोसी यात्रा में साधू संतों का अभिनंदन किया

प्रयागराज। श्री पंचकोशी कोसी यात्रा में पधारे पूज्य साधु संत महात्माओं का महापौर गणेश केसरवानी ने प्राचीन श्री राम मंदिर कीडगंज चौराहे पर पुष्प वर्षा कर स्वागत अभिनंदन किया एवं पूज्य संतों का चरण वंदन किया इस अवसर अखाड़े के महामंत्री पूज्य हरि गिरि महाराज सहित सभी संतो ने भगवान श्री राम का दर्शन एवं आरती किया।

राष्ट्र के नायक सुभाष चंद्र बोस –आचार्य दिगंबर मा. तंगलवाड़

प्रयागराज। नेता जी सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती के अवसर पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज में

उनको याद करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. दिगंबर मा. तंगलवाड़ ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि नेता जी का चरित्र एवं व्यक्तित्व बहुत महान है। नेता जी ने देश के उत्थान, प्रगति, स्वतंत्रता के लिए बहुत त्ध्याग किया है। पै में चौथा स्थान प्राप्ध्त करने के बावजूद नेता जी ने देश के गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेकर अपना पूरा जीवन देश की सेवा में लगा दिया। उन्होंने ये भी कहा कि सुभाष बाबू राष्ट्र के नायक हैं। तुम मुझे खून दो, मैं तुम्ध्हें आजादी दूंगा का नारा लगाकर पूरे देश को प्रभावित कर एक जुट किया। उन्ध्होंने महिलाओं को पुरुषों के समकक्ष माना। उन्होंने नेता जी के जीवन, उनकी निर्भीकता और व्यक्तित्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने ये भी कहा कधि युवाओं को उनको अपना आदर्श मानते हुए अपने व्यक्तित्व का निर्माण करने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. यशार्थ मंजुल ने किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज की डॉ. आशा मिश्रा, डॉ, मिथिलेश तिवारी, डॉ. विजया सिंह सहित केंद्र के समस्ध्त गैर–शैक्षणिक कर्मी जयेन्ध्द्र जायसवाल, सुभाष श्रीवास्ध्तव, राहुल त्रिपाठी, प्रत्ध्यूष शुक्ध्ल, रश्मि, गीता देवी, देवमूर्ति द्विवेदी, अभिषेक चंद्रा, पीतांबर गौत उपस्थित रहे।

जल को सुरक्षित रखना होगा– अविमुक्तेश्वरा नन्द जी महाराज

महाकुम्भ नगर। हमारा शरीर ब्रह्मांड का प्रतीक है। यह विश्व विराट पुरुष का ही विग्रह है। नदियां उस विराट पुरुष के शरीर की नाड़ियां हैं। जैसे कोई भी शरीर के अंदर की नसों–नाड़ियों के सूख जाने या विकृत हो जाने से विकल हो जाता है। ठीक उसी तरह हमारी नदियों के सूखने या प्रदूषित हो जाने से विश्व का विकल होना स्वाभाविक है। विश्व को बचाने के लिए हमें नदियों के जीवन और जल को सुरक्षित रखना होगा। उक्त बाते ज्योतिष पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने धर्म संसद में नदियों पर विचार विषय कही। उन्होंने कहा कि इसके लिए यथा संभव नदी–नालों को अलग रखना, धारा को अविरल रखना, तटबंध पर विराजे पेड़–पौधों की सुरक्षा करना आवश्यक है। नदी की भूमि, जल–जन्तु और वनस्पतियों आदि का मालिकाना हक नदियों का है। कहा कि आवश्यक है कि हम और हमारी सरकारें इस हक को न छीनें। नदियां स्वयं में इतनी समर्थ हैं कि यदि उनकी संपत्ति उन्हीं की रहे तो सरकारों को नदियों के लिए बजट नहीं देना होगा, अपितु नदियां अपना और अपने किनारे पर बसे लोगों का पालन–पोषण स्वयं कर सकेंगी। सोनम ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत की संसद में एक सीट प्रकृति और जीव जन्तुओं के लिए भी होना चाहिए ताकि उनके साथ भी न्याय हो सके और उनकी पीड़ा भी व्यक्त हो।

विद्या भारती क्षेत्रीय घोष वर्ग का पथ संचलन के साथ समापन।

महाकुम्भ नगर। विद्या भारती पूर्वी उप्र क्षेत्र द्वारा आयोजित महाकुम्भ दर्शन शिविर के चार दिवसीय क्षेत्रीय घोष वर्ग के समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रुप में राम लाल जी (अखिल भारतीय सम्पर्क प्रमुख, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ), अध्यक्ष के रुप में यतीन्द्र जी (अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री, विद्या भारती), विशिष्ट अतिथि के रुप में हेमचन्द्र जी(क्षेत्रीय संगठन मंत्री, विद्या भारती) एवं डॉ0 राम मनोहर जी (क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री, विद्या भारती) तथा विशेष उपस्थिति के रुप में मनोज जी (सह क्षेत्र सम्पर्क प्रमुख पूर्वी उ0प्र0), रजनीश जी (प्रान्त संगठन मंत्री, कानपुर प्रान्त) एवं सुधारानन्द महाराज जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ मॉ सरस्वती के सम्मुख दीपार्चन एवं पुष्पार्चन के साथ हुआ। इसके पश्चात् काशी प्रान्त के प्रदेश निरीक्षक शेषधर द्विवेदी जी ने आये हुये अतिथियों को सम्मान कराया एव कार्यक्रम की प्रस्ताविकी रखी। विद्या भारती काशी प्रान्त प्रान्त प्रचार प्रमुख विक्रम बहादुर सिंह परिहार, विंध्यवासिनी त्रिपाठी, सरोज दुबे उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने परमार्थ निकेतन के शिविर में दिव्य मानस कथा श्रवण किया

महाकुम्भ नगर। परमार्थ निकेतन शिविर में गुरुवार को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने मोरारी बापू के श्रीमुख से हो रही श्रीरामचरित मानस कथा का भी श्रवण किया। इस अवसर पर आनंदी बेन पटेल ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उनके पराक्रम और साधना को नमन किया। उन्होंने कहा कि महापुरुष अपने कार्यों और विचारों से सदैव जीवंत रहते हैं। राज्यपाल ने बालिकाओं के सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए वैक्सीनेशन पर जोर दिया। उन्होंने बेटियों के स्वास्थ्य और शिक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की। साथ ही, दहेज प्रथा के खिलाफ समाज को जागरूक करने का आह्वान किया। मोरारी बापू ने श्रीरामचरित मानस के माध्यम से श्रद्धा और आस्था का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि कथा, ध र्म और परमार्थ का गूढ़ अर्थ प्रदान करती है। मलूकपीठाधीश्वर श्री राजेंद्र दास जी महाराज ने कहा कि श्रीरामचरित मानस, श्रीराम का सजीव चरित्र है। उन्होंने पूज्य बापू की कथा को सत्य, प्रेम और करुणा का संगम बताया।स्वामी चिदानंद सरस्वती जी ने नेताजी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि सत्संग और कथा मन की गुलामी से आजादी प्रदान करती है।

संस्कृत विश्वविद्यालय ने सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती मनाई

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय गंगानाथ झा परिसर में भारत की स्वतन्त्रता के अमर सेनानी एवं आजादी के महानायक नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती धूमधाम से मनाई गई। परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के भोपाल परिसर एवं वेद व्यास परिसर, बलाहार, हिमाचल प्रदेश के छात्र–छात्राओं के साथ साथ गंगानाथ झा परिसर के छात्र–छात्राओं, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने परिसर से अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा तक प्रभात फेरी निकाली। "जयतु संस्कृतम् जयतु भारतम्" एवं "वन्दे मातरम्" के उद्घोष के साथ ये प्रभात फेरी चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा के समीप सुभाष चन्द्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर राष्ट्र भक्ति के संकल्प के साथ सम्पन्न हुई। परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने छात्र–छात्राओं को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती की शुभकामनाएं दीं। भोपाल परिसर एवं वेद व्यास परिसर, बलाहार, हिमाचल प्रदेश के ये सभी छात्र–छात्राएँ महाकुम्भ छात्रसंगम2025 में भाग लेने अपने अपने परिसरों से आये हैं। अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण एवं सुभाष चन्द्र बोस के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के पश्चात प्रभात फेरी में सम्मिलित सभी छात्र–छात्राओं, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का समूह महर्षि भरद्वाज की प्रतिमा के समक्ष सम्पूर्ण माघ मास तक चलने वाले महर्षि भरद्वाज जन्मोत्सव में सम्मिलित हुआ तथा महर्षि भरद्वाज के चरणों में प्रणाम कर पुष्पांजलि अर्पित की। गंगानाथ झा परिसर महर्षि भरद्वाज के जन्मोत्सव के अन्तर्गत केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रत्येक परिसरों से आये छात्र–छात्राओं साथ महर्षि भरद्वाज जन्मोत्सव मना रहा है जो सम्पूर्ण माघ मास चलेगा।

संस्कार भारती शोभायात्रा का केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने शुभारंभ किया

महाकुम्भ नगर। भारत के उत्थान में भारतीय वीरांगनाओं का अमूल्य योगदान रहा है उन्ही के उत्सर्ग और समर्पण में संस्कार भारती ने बुधवार को एक भव्य शोभा यात्रा निकाली जिसको मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने केसरिया झंडा दिखाकर गंगा तट पर रवाना किया। संस्कार भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री अभिजीत गोखले के नतृत्व में भव्य शोभायात्रा गंगा पूजन एवं विभिन्न धार्मिक एवं आध यात्मिक अनुष्ठान द्वारा पूर्ण हुआ जिसमें देश भर के 16 राज्यों से 300 कलाकारों ने प्रतिभाग किया। हमारा देश महीमसी मीराबाई की 525 वीं जयंती मना रहा है, चंदेल कन्या महारानी दुर्गावती की500 वीं और लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती बहुत ही श्रद्धा से मना रहा है। भव्य में संस्कार भारती के पदाधिकारीयों में अनीता करकरे ,हेमलता देशमोहन, मिथिलेश तिवारी,शोक तिवारी, विजय कुमार देवेंद्र रावत, देवेंद्र त्रिपाठी, गणेश प्रसाद अवस्थी, सुजीत श्रीवास्तव, उदय कुमार दास,दीपक शर्मा,सुशील राय,योगेंद्र मिश्रा, प्रेमलता मिश्रा, विभव मिश्रा, ज्योति मिश्रा, कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा, डॉ सचिन सैनी, प्रियंका सिंह,जना त्रिपाठी, रागनी चंद्रा, संदीप कुमार वर्मा तथा 300 कलाकारों ने उत्साह पूर्वक शोभयात्रा में प्रतिभाग किया। पंडाल मैं इलाहाबाद विश्वविद्यालय के डॉ सचिन सैनी के संयोजन में युवा कलाकारों द्वारा सैंड आर्ट में बनाई गई अहिल्याबाई होलकर की मूर्ति पर संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रीजी ने पुष्प अर्पित किया और मंच पर दीप प्रज्वलित कर पंडाल के सांस्कृतिक का शुभारंभ किया।

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष ने मोदी-योगी से दक्षिणा में मांगा सनातन बोर्ड, धर्म संसद में उठेगा मुद्दा

प्रयागराज। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने सनातन बोर्ड के गठन की मांग तेज कर दी है। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी ने कहा कि वह महाकुंभ में दक्षिणा के रूप में पीएम मोदी और सीएम योगी से सनातन बोर्ड लेंगे। पुरी ने प्रयागराज धर्म संसद को लेकर भी अपनी बात रखी। इसके आयोजन की पूरी रूपरेखा उन्होने मीडिया के सामने साझा की। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मां मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष श्री महंत रवींद्र पुरी महाराज ने कहा कि महाकुंभ सनातन धर्म की आस्था का केंद्र है, जिससे सभी की आस्था जुड़ी है, इसलिए इस महाकुंभ मे एक और सनातन का महाकुंभ होगा जो निर्णायक भूमिका में जाने का, धर्म की स्वतंत्रता का दिन होगा उस दिन सनातन बोर्ड का गठन किया जायेगा और सनातन का परचम लहराएगा। आनंद पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी बालकानंद गिरि ने कहा कि सनातन का अस्तित्व सृष्टि के प्रारंभ से है। बाकि सब इसके बाद की उपज है। उन्होंने कहा आज जिस तरह से हमारे मंदिर, मठ और धार्मिक स्थलों पर कब्जा किया हुआ है उन सब को मुक्त कराने का काम सनातन बोर्ड करेगा। उन्होंने कहा कि सनातन बोर्ड मैं हर उस बात का ध्यान रखा जाएगा जो सनातन की रक्षा और सनातन के हित में हो। उन्होंने कहा कि पहले हर मठ के अपने आचार्य कुलम होते थे जहां विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ शास्त्र का भी ज्ञान और बौद्ध कराया जाता था, लेकिन धीरे–धीरे सभी पर कब्जा हो गया। उन्होंने कहा कि अब उन सभी जगह को सनातन बोर्ड की मदद से कब्जा मुक्त कराकर दोबारा शुरू करने मे मदत करेगा। अंतर्राष्ट्रीय कथा व्यास स्वामी देवकीनंदन ठाकुर ने कहा की हमारी बहन–बेटियों को स्कूलों में नचाया जा रहा है। हमारी संस्कृति अभी भी आजाद नहीं है। इस बात को आगे बढ़ाने के लिए हमें सनातन बोर्ड चाहिए। योगीजी और मोदीजी इस कुंभ के यजमान हैं और हमारे साथ मौजूद अखाड़ों के पीठाधीश्वर आचार्य हैं। उन्होंने कहा की यजमान बढ़िया है तो दक्षिणा भी अच्छी मिलेगी। उन्होंने कहा– बिना दक्षिणा के यज्ञ पूरा नहीं होता है। हम दक्षिणा के रूप में यजमान पीएम मोदी और सीएम योगी से सनातन बोर्ड का गठन करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा की 27 जनवरी को सेक्टर–17 में सनातन धर्म संसद में सभी लोग पहुंचें। अगर बैठने की जगह न मिले तो खड़े रहो। खड़े रहने की जगह न मिले तो जाम लगाओ। इतनी ईमानदारी और मजबूती से मांग रखो कि वक्फ बोर्ड है तो सनातन बोर्ड हमें हर हाल में चाहिए। बिना सनातन बोर्ड लिए हम सनातनी कुंभ से वापस नहीं जाएंगे। महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंद पुरी महाराज, (अर्जी वाले हनुमान मंदिर उज्जैन) ने कहा कि हम सभी स्वामी देवकीनंदन ठाकुर जी की बात का समर्थन करते हैं।

जगत रूपी चाक पर परमात्मा की कुंभ की रचना अद्भुत, संगम वैश्विक एकता का तट

प्रयागराज। महाकुंभ में राष्ट्र संत मोरारी बापू ने मानस का महाकुंभ लगाया है। अरैल में यमुना तट के टीले से वह त्रिवेणी की पावन धारा को निरंतर मथते और अभिभूत होते रहते हैं। इस बार उनके मानस महाकुंभ का केंद्र बिंदु है– सादर मज्जहिं सकल त्रिवेनी...। बृहस्पतिवार को अमर उजाला से विशेष साक्षात्कार में उन्होंने महाकुंभ से जुड़े सवालों पर अपने गहरे अनुभवों को विस्तार से साझा किया। मोरारी बापू से अनूप ओझा की बातचीत के प्रमुख अंश...। प्रश्न : रामकथा में अनूठे प्रयोगों के लिए आप जाने जाते हैं। आप रामकथा को सहज और सरल तरीके से जन–जन तक पहुंचाते, रसपान कराते हैं। महाकुंभ में इस बार की कथा में क्या नया प्रयोग कर रहे हैं? उत्तररू हर कुंभ में हम नौ दिन रामकथा का अनुष्ठान करते हैं। यहां इस बार महाकुंभ लगा है। इतने सालों के बाद ग्रह –नक्षत्र एक साथ अनुकूल हुए हैं। इस महाकुंभ का संदेश है कि व्यक्ति–व्यक्ति, परिवार–परिवार, समाज–समाज, भाषा–भाषा, वर्ण–वर्ण, जाति–जाति, देश–दुनिया सबके बीच में वैचारिक संगम हो। बौद्धिक और हार्दिक संगम हो। हमारे चिंतन का केंद्र बिंदु संगम है। यह महाकुंभ, इतने सालों के बाद हो रहा है। इसलिए इसबार की कथा का नामकरण किया है मानस महाकुंभ। उत्तर। मेरे अनुभव में रामचरित मानस भी एक महाकुंभ है, जो निरंतर अंतर्रस्नान और अवगाहन कराता है। इसका दर्शन, इसका स्पर्श, इसका आचमन, इसका निवज्जन चारों रूपों का रामचरित मानस की पंक्ति में वर्णन आता है। मेरी दृष्टि में गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती की त्रिवेणी स्थावर संगम और राम चरित मानस जंगम संगम है। दुनियाभर में प्रयागराज घूम रहा है। माघ मकरगत रवि जब होई, तीरथ पतिहिं आउ सब कोई...। देव दनुज किन्नर नर श्रेनी, सादर मज्जहिं सकल त्रिवेणी... इन्हीं दो पंक्तियों के आधार पर संवाद चल रहा है।

चारों दोस्तों का बदल गया था मन, ट्रेन के आगे कूदा अभय...सुसाइड नोट में लिखी बातें

प्रयागराज। आठवीं के छात्र अभय विश्वकर्मा (15) की आत्महत्या के बाद जांच में एक और तथ्य सामने आया है। किशोर के साथ तीन अन्य साथी भी आत्महत्या करने गए थे। इस बीच चारों का मन बदल गया और कहा कि अब कल आत्महत्या करेंगे। चारों लौटने लगे, लेकिन अभय ने ट्रेन के सामने छलांग लगा दी। मौके से सुसाइड नोट बरामद हुआ था। इसके अलावा एक वीडियो वायरल हो रहा है। 18 जनवरी की शाम उरुवा के अजय विश्वकर्मा का बेटा अभय ने दिल्ली–हावड़ा रेल मार्ग पर अमिलिया कला में ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दी थी। पुलिस ने अभय की जेब से सुसाइड नोट भी बरामद किया था। जिसमें उसने लिखा था कि कस्बे के कोटेदार सुनील केशरी ने छेड़खानी का आरोप लगाते हुए कमरे में बंदकर पीटा था। जिससे मेजा के अमिलिया कला में किशोर की आत्महत्या के मामले में सामने आया। तथ्य वह क्षुब्ध होकर आत्महत्या कर रहा है। पुलिस ने सुनील केशरी और दो अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। उधर, घटना के दो दिन बाद एक वीडियो वायरल हुआ, इसमें अभय तीन साथियों संग कह रहा है कि सुनील की पिटाई से क्षुब्ध होकर हम आत्महत्या करने जा रहे हैं। उसने कहा है कि मम्मी–पापा सुनील के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई कराइएगा। अंत में मम्मी–पापा को प्रणाम भी कहा था। अभय की पिटाई से उसके साथी भी क्षुब्ध थे। पुलिस के अनुसार अभय के साथ उसके तीन अन्य साथी आत्महत्या करने गए थे। कुछ देर ट्रेन नहीं आई तो सभी ने कहा कि अब आत्महत्या कल करेंगे।

साध्वी भगवती सरस्वती- एकता का संदेश देता है महाकुंभ, नहीं तो करोड़ों लोग एक साथ स्नान नहीं करते

प्रयागराज। अमेरिका में पली–बढ़ीं और भारत में संन्यासी बनकर महिला सशक्तीकरण और बच्चों की शिक्षा पर काम करने वाली साध्वी भगवती सरस्वती कहती हैं कि महाकुंभ एकता का संदेश देता है। यह हमें एक–दूसरे के साथ जोड़ता है। तभी तो करोड़ों लोग खुले आसमां के नीचे एक साथ स्नान करते हैं। नहीं तो कोई महिला इतने लोगों के बीच में कैसे स्नान कर सकती है। यह दर्शाता है कि हम सब एक परिवार हैं। महाकुंभ के सेक्टर 23 स्थित परमार्थ के शिविर में साध्वी भगवती सरस्वती से बातचीत की नीरज मिश्रा ने। मेरे लिए तो कठिन नहीं था, लेकिन मेरे परिवार के लिए कठिन था। जब मैं पहली बार भारत आई थी तो ऋषिकेश पहली जगह थी, जहां मैं घूमने गई। यहां पहुंचकर लगा कि मेरी पढ़ाई–लिखाई तो किसी के काम नहीं आएगी। मैं तो दुनिया को कुछ दे ही नहीं पाऊंगी। इसके बाद मेरा मन बदल गया और संन्यास ने मुझे चुन लिया। पूज्य स्वामी चिदानंद जी से मिलने के बाद मैंने तय किया कि अब जीवन यहीं बिताना है। महाकुंभ का आयोजन आध्यात्मिक जागृति।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।